HINDI

(Three hours)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first 15 minutes.*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

*This paper comprises two Sections—**Section A** and **Section B**.*

*Attempt **all** the questions from Section A.*

*Attempt any **four** questions from Section B, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

Attempt all questions

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :— [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी में** लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :—

(i) ज्ञान प्राप्त करने के बहुत से साधन हैं। यात्रा पर जाना भी किसी पाठशाला में जाकर शिक्षा प्राप्त करने से कम नहीं है। ऐसी ही किसी यात्रा का वर्णन कीजिए। बताइए कि उस यात्रा से आपने क्या-क्या सीखा ?

(ii) कल्पना कीजिए कि आपको किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का साक्षात्कार (Interview) लेने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताइए कि वे प्रसिद्ध व्यक्ति कौन हैं और आप उनसे कौन-कौन से तीन प्रश्न पूछेंगे व क्यों ?

(iii) 'ऊँचे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए माता-पिता तथा अध्यापकों द्वारा बच्चों पर डाला जाने वाला दबाव अनुचित है।' — विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार दीजिए।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :—

'जान बची तो लाखों पाये'

© *Copyright reserved.*

(v) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए **अथवा** कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

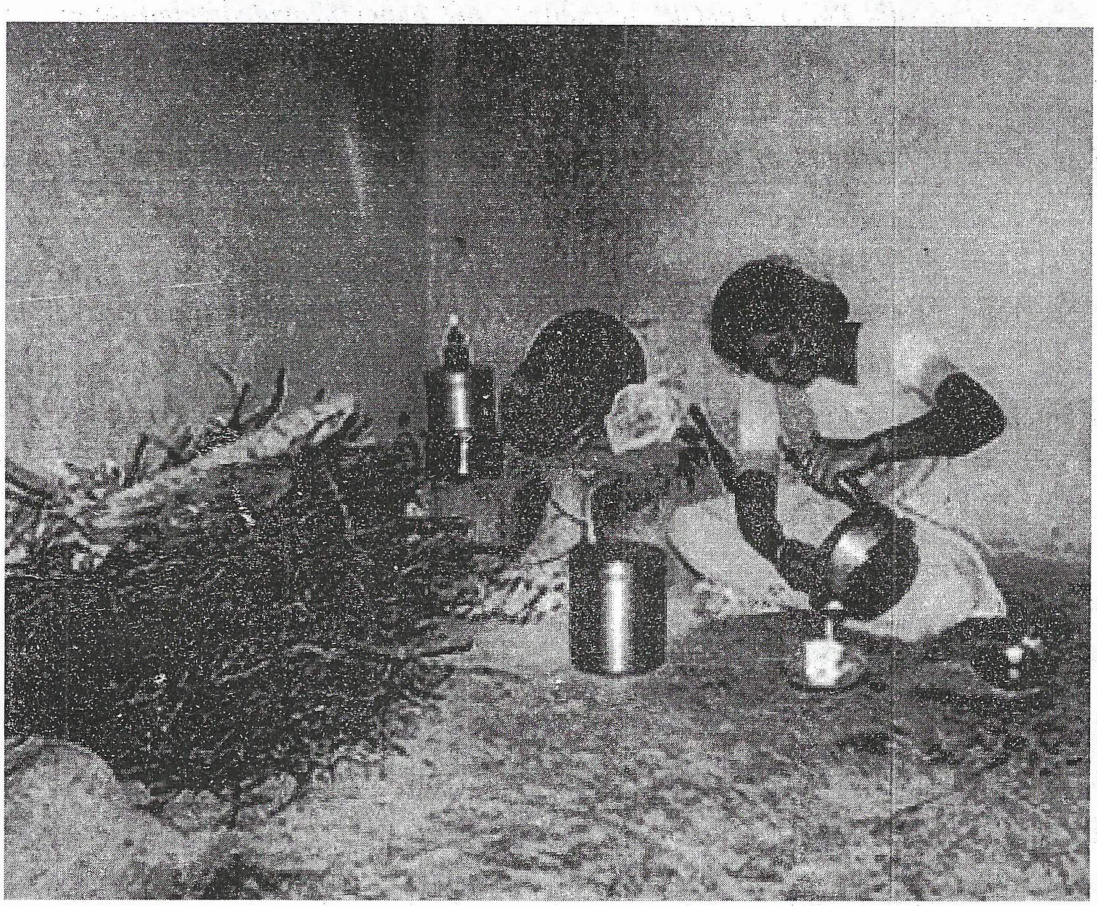

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :— [7]

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी में** लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिये :—

(i) छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए।

(ii) आपके नगर में एक 'विज्ञान-कार्यशाला' का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला के संयोजक को पत्र लिखकर बताइए कि आप भी इसमें सम्मिलित होना चाहते हैं।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

एक चोर किसी मन्दिर का घण्टा चुराकर ले गया था। वन में जाते हुए उसका सामना बाघ से हो गया और चोर बाघ के द्वारा मारा गया। उसी वन में वह घण्टा बन्दरों के हाथ में पड़ गया। वन बहुत घना था। बन्दर झाड़ियों के अन्दर रहते थे। जब उनकी मौज होती, वे घण्टा बजाते।

घण्टे की आवाज सुनकर समीप के नगर में यह अफ़वाह फैल गयी कि जंगल में भूत रहता है और उसका नाम घण्टाकरण है। उसके कान घण्टे के समान हैं, जब वह हिलता है, तो कानों से घण्टे की आवाज आती है। इस अफ़वाह से लोग ऐसे भयभीत हुए कि जंगल की ओर भूलकर भी कोई न जाता था। सब जंगल से दूर-दूर ही रहते थे। जंगल से लकड़हारे लकड़ियाँ न लाते थे, चरवाहे जंगल में पशुओं को चराने न ले जाते थे। किसी में इतना हौसला न था कि जंगल में जाने का प्रयत्न कर पाता।

इस प्रकार सारे का सारा जंगल किसी भी काम में न आकर कल्पित घण्टाकरण भूत की राजधानी बन गया। अब तो राजा को भी बड़ी चिन्ता हुई। उसने सयानों और जादूगरों को इकट्ठा किया और कहा कि भाई इस भूत को जंगल से निकालो, वरना सारा जंगल और हज़ारों रुपये की सालाना आमदनी बेकार हाथ से जा रही है।

सब लोगों ने अपने-अपने उपाय करने प्रारम्भ किए। पण्डितों ने चण्डी का जाप किया, हनुमान चालीसा का पाठ किया। मुल्लाओं ने कुरान का पाठ आरम्भ किया। किसी ने भैरों को याद किया, किसी ने काली माता की मन्नत की, किसी ने पीर-पैगम्बर को मनाया, किसी ने जादू-टोना किया। इस पर भी घण्टाकरण किसी के काबू में न आया। घण्टे का शब्द सदा की भाँति सुनाई देता रहा और लोग समझते रहे कि घण्टाकरण घण्टा बजा रहा है।

तभी एक चतुर मनुष्य उधर कहीं से आ निकला। वह भूत-प्रेत, चण्डी-मुण्डी, पीर-पैगम्बर, जादू टोने आदि कपोल-कल्पित मिथ्या बातों पर विश्वास नहीं करता था। उसने विचारा कि वन में हो न हो कोई विशेष बात होगी। संभव है कि वन में डाकू रहते होंगे और उन्होंने वन को अपने रहने के लिए सुरक्षित बनाने को यह पाखण्ड रचा हो या कहीं बन्दरों के हाथ में घण्टा न पड़ गया हो। ऐसा दृढ़ निश्चय कर वह चतुर मनुष्य साधु का वेश धर कर जंगल में घुसा। अन्दर जाकर देखा तो उसने अपने अनुमान को सही पाया। लौटकर उसने नगर निवासियों से कहा, "भाइयो ! मैंने भूत को पकड़ने का उपाय विचार लिया है। आप लोग मुझे एक गाड़ी भुने चने दें, तो मैं कल ही भूत को पकड़ लेता हूँ।"

नगर के निवासी और राजा भूत के नाश के लिए सब कुछ करने को तैयार थे, झटपट सब सामान इकट्ठा कर दिया। चतुर मनुष्य ने ज़ंगल में जाकर चने बन्दरों के आगे डाल दिए। इधर सब बन्दर चने खाने में लगे, उधर उसने घण्टा उठा कर नगर की राह ली। अब क्या था, सारे नगर में और राजसभा में उस चतुर मनुष्य को बड़ा आदर मिला, फिर उसने सब भेद खोलकर लोगों के मिथ्या विश्वास को तोड़ा। उन्हें भ्रम के भूत से मुक्ति दिलाई।

इस कहानी के समान अनेक बातों के भ्रम में पड़कर मनुष्य ने भूत-प्रेत, जादू-टोना आदि अनेक प्रकार की कल्पनाएँ कर ली हैं। लोग भय और मिथ्या विश्वास के कारण वास्तविकता का पता नहीं लगाते हैं और झूठे उपाय कर-करके थकते हैं। वास्तव में भूत-प्रेत आदि यह सब ठग-लीला है। जादू-टोने सब लूटने-खाने के बहाने हैं। इनसे सदा बचने में ही मानव की भलाई है।

मिथ्या विश्वास से ही मनुष्य तरह-तरह के कष्टों में पड़ जाता है। अत: यथासंभव मिथ्या विश्वास दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

(i) नगर में क्या अफ़वाह फैल गई थी और इस अफ़वाह का क्या कारण था ? [2]

(ii) जंगल किसकी राजधानी बन गया था ? इससे नगर निवासियों पर क्या प्रभाव पड़ा ? [2]

(iii) राजा की चिन्ता का क्या कारण था ? भूत को जंगल से निकालने के क्या-क्या उपाय किए गए ? [2]

(iv) चतुर मनुष्य का क्या अनुमान था ? उसने नगर निवासियों को भूत से किस प्रकार मुक्ति दिलाई ? [2]

(v) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

(i) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए :— [1]

अनुभव, पूजा।

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के **दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए :— [1]

पुत्री, घमंड।

(iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :— [1]

अपमान, अमावस्या, उत्थान, निन्दा।

(iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** की सहायता से वाक्य बनाइए :— [1]

मुँह में पानी भर आना, टाँग अड़ाना।

(v) भाववाचक संज्ञा बनाइए :— [1]

सेवक, बच्चा।

(vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :—

(a) वह दुश्मन की सेना पर टूट पड़ा। [1]

('टूट पड़ा' के स्थान पर 'हमला किया' का प्रयोग कीजिए)

(b) विद्यार्थी पुस्तक पढ़ रहा है। [1]

(बहुवचन में बदलिए)

(c) अन्ना हजारे ने सरकार का लोकपाल बिल मानने से इन्कार कर दिया। [1]

(रेखांकित शब्द का विपरीतार्थक शब्द लिखिए। ध्यान रहे वाक्य का अर्थ न बदले)

SECTION B (40 Marks)

*Attempt **four** questions from this Section.*
*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

गद्य-संकलन

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"जिस दिन तुम्हें यह पत्र मिलेगा उसके ठीक सवेरे मैं, बाल अरुण के किरण रथ पर चढ़कर, उस ओर चला जाऊँगा। मैं चाहता तो अन्त समय तुमसे मिल सकता था, मगर इससे क्या फायदा ? मुझे विश्वास है, तुम मेरी जन्म-जन्मान्तर की जननी हो, रहोगी ! मैं तुमसे दूर कहाँ जा सकता हूँ ? माँ, जब तक पवन साँस लेता है, सूर्य चमकता है, समुद्र लहराता है, तब तक कौन मुझे तुम्हारी करुणामयी गोद से दूर खींच सकता है।''

-उसकी माँ-

लेखक—पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

(i) यह पत्र किसने, किस अवसर पर लिखा था ? [2]

(ii) 'मैं, बाल अरुण के किरण रथ पर चढ़कर, उस ओर चला जाऊँगा।'—प्रस्तुत पंक्ति की व्याख्या कीजिए। बताइए कि वह ऐसा क्यों कह रहा है ? [2]

(iii) पत्र में लिखे गए शब्दों का वहाँ उपस्थित लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा ? [3]

(iv) प्रस्तुत पाठ के नायक के जीवन-चरित से आपने क्या प्रेरणा प्राप्त की है ? क्या आज हमारे देश को ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है ? तर्कसहित उत्तर दीजिए। [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

एक भेड़ चराने वाली और सतोगुण में डूबी हुई युवती कन्या के दिल में जोश आते ही कुल फ्रांस एक भारी शिकस्त से बच गया। अपने आपको हर घड़ी और हर पल महान् बनाने का नाम वीरता है। वीरता के कारनामे तो एक गौण बात है। असल वीर तो इन कारनामों को अपनी दिनचर्या में लिखते भी नहीं। दरख़्त तो ज़मीन से रस ग्रहण करने में लगा रहता है।

-सच्ची वीरता-

लेखक—सरदार पूर्णसिंह

(i) सच्चे वीरों और दरख़्त में क्या समानता होती है ? [2]

(ii) 'सतोगुण' से आप क्या समझते हैं ? इस गुण से युक्त व्यक्तियों की क्या विशेषता होती है ? [2]

(iii) भेड़ चराने वाली युवती कौन थी ? उसने वीरता का क्या कार्य किया था ? [3]

(iv) प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"सबको देंगे भैया, जरा रुको, जरा ठहरो, एक-एक को लेने दो। अभी इतनी जल्दी हम कहीं लौट थोड़े ही जाएँगे। बेचने तो आए ही हैं और है भी इस समय मेरे पास एक-दो नहीं पूरी सत्तावन। . . . . हाँ बाबूजी, क्या पूछा था आपने; कितने में दी ? . . . . दी तो वैसे तीन-तीन पैसे के हिसाब से है, पर आपको दो-दो पैसे में ही दे दूँगा।"

-मिठाईवाला-

लेखक—भगवती प्रसाद वाजपेयी

(i) यहाँ कौनसी वस्तु बेची जा रही है ? इस समय बेचने वाले के मनोभाव कैसे हैं ? [2]

(ii) दाम सुनकर 'बाबूजी' ने क्या सोचा और क्या कहा ? [2]

(iii) बाबूजी का परिचय दीजिए। बताइए कि उनका कथन, किन लोगों के, किस व्यवहार की ओर संकेत कर रहा है ? [3]

(iv) 'व्यक्ति विधाता की लीला के समक्ष विवश होता है, तथापि दु:ख की घड़ी में विलाप करने के स्थान पर, अन्य माध्यमों से स्वयं को खुश करने के प्रयत्न का नाम ही सच्ची मनुष्यता है।' — मुरली वाले के चरित्र को ध्यान में रखकर इन पंक्तियों पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए। [3]

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक—प्रकाश नगायच

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"जो आज्ञा, देव !" कहकर वीरसेन ने सम्राट को प्रणाम किया और कक्ष से निकलकर सैनिक शिविर की ओर चल पड़ा।

थोड़ी देर बाद ही पाटलिपुत्र का दुर्ग और नगर रणवाद्यों से गूँज उठा। गंगा और सोन नदियों की शान्त लहरों में जैसे ज्वार आ गया।

(i) कितने वर्षों के संघर्ष के बाद चन्द्रगुप्त को मगध का राज्य प्राप्त हुआ था ? वह किस उपाधि को धारण कर गुप्त साम्राज्य के राजसिंहासन पर बैठा था ? [2]

(ii) चन्द्रगुप्त के राजसिंहासन पर बैठने की प्रजा पर क्या प्रतिक्रिया हुई थी व क्यों ? [2]

(iii) भारतवर्ष की तत्कालीन राजनैतिक परिस्थितियाँ कैसी थीं ? सम्राट ने वीरसेन को क्या आज्ञा दी थी और क्यों ? [3]

(iv) जननी जन्मभूमि के प्रति मनुष्य का क्या कर्तव्य होता है ? — प्रस्तुत संदर्भ को ध्यान में रखकर एक अनुच्छेद में उत्तर लिखिए। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"हमने वचन दिया था . . . . . ? कब . . . . . . ? हमें तो याद नहीं।" रामगुप्त ने लापरवाही से कहा— "पुरोहित जी जो मंत्र पढ़ते गए हम तो उन्हीं को दोहरा रहे थे। पता नहीं उन मंत्रों का अर्थ क्या था ?"

(i) रामगुप्त का परिचय दीजिए और बताइए कि उसे कौनसे वचन याद नहीं है ? [2]

(ii) रामगुप्त के इस कथन का किसने, क्या उत्तर दिया ? [2]

(iii) रामगुप्त और चन्द्रगुप्त के चरित्र में क्या-क्या भिन्नताएँ थीं ? [3]

(iv) 'कुल की रक्षा के लिए एक व्यक्ति का, नगर की रक्षा के लिए कुल का और राष्ट्र की रक्षा के लिए नगर का त्याग कर देना चाहिए।' आप इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं ? तर्कसहित उत्तर दीजिए। [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

रुद्रसिंह सम्राट चन्द्रगुप्त के इन शब्दों का मर्म न समझ पाए और प्रसन्न होकर बोले — "मगध सम्राट की इस उदारता और महानता ने शत्रु होते हुए भी मगध-सम्राट की प्रशंसा करने पर विवश कर दिया है। नीतिकारों ने ठीक ही कहा है बुद्धिमान शत्रु भी सौभाग्य से ही मिलते हैं।"

(i) रुद्रसिंह कौन थे ? वे चन्द्रगुप्त के किन शब्दों का मर्म नहीं समझ सके ? [2]

(ii) सम्राट चन्द्रगुप्त के इन शब्दों के पीछे क्या गहरा रहस्य छिपा था ? [2]

(iii) इस युद्ध में रुद्रसिंह की हार का प्रमुख कारण आप किसे समझते हैं और क्यों ? [3]

(iv) यहाँ बुद्धिमान शत्रु कहकर कौन किसे सम्बोधित कर रहा है और क्यों ? [3]

एकांकी सुमन

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"क्या कहता है, रोशन ?"

"वह तो बात भी नहीं सुनता, जाने बच्चे की तबीयत बहुत खराब है।"

"एक दिन में ही इतनी क्या खराब हो गयी ! मैं जानता हूँ यह सब बहानेबाज़ी है।"

-लक्ष्मी का स्वागत-

लेखक—उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

(i) यह वार्ता किन-किन व्यक्तियों के बीच हो रही है ? वार्ता का सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) यहाँ किस बात को बहानेबाज़ी कहा गया है और क्यों ? [2]

(iii) बहानेबाज़ी का आरोप लगाने के पश्चात् उस व्यक्ति ने क्या किया ? उसके चारित्रिक दोषों का वर्णन करते हुए बताइए कि ऐसे व्यक्ति समाज के लिए कलंक क्यों हैं ? [3]

(iv) प्रस्तुत एकांकी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"हाँ, वह बात तो पूरी ही नहीं की तुमने, भीमा ! शिवाघाट से फिरंगियों को टलाया कैसे ?"

"राजा कुँवरसिंह की बुद्धि की क्या तारीफ़ करूँ सरदार, कटार की धार-सी पैनी है। हरकिशुन को साधु बनाकर भेजा, जानते हो किसलिए ?"

-विजय की वेला-

लेखक—जगदीश चन्द्र माथुर

(i) प्रस्तुत पंक्तियों का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) हरकिशुन को कहाँ, किस उद्देश्य से भेजा गया था ? [2]

(iii) राजा कुँवरसिंह कौन थे ? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [3]

(iv) 'राष्ट्र विरोधी ताकतों का डटकर विरोध करना ही सच्ची देशभक्ति है।' — एकांकी के आधार पर इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए। [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"दूसरे लोग पाँच-छः महीने पहले से सारा सामान जुटा लेते हैं और यहाँ रह गए हैं गिनती के बीस दिन ! तुमने तो अपनी घोलकर पी ली है। जाओ, अभी जाओ और शहर जाकर उससे रुपये लेकर आओ, नहीं तो मैं सिर पटक-पटक कर जान दे दूँगी।"

-मेल मिलाप-

लेखक—देवराज 'दिनेश'

(i) वक्ता कौन है ? वह किस कार्य के लिए बीस दिन बचे होने की बात कह रही है ? [2]

(ii) श्रोता का चरित्र-चित्रण कीजिए। [2]

(iii) वक्ता को किस पर, क्या सन्देह है ? इस समय उसकी मन:स्थिति कैसी है ? [3]

(iv) 'स्वस्थ समाज के लिए आपसी मेल-मिलाप के साथ-साथ पुरानी शत्रुता को भुलाना भी आवश्यक होता है।' —इस कथन की व्याख्या एकांकी के संदर्भ में कीजिए। [3]

काव्य-चन्द्रिका

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

बाधा के रोड़ों से लड़ता, वन के पेड़ों से टकराता।
बढ़ता चट्टानों पर चढ़ता, चलता यौवन से मदमाता।
लहरें उठती हैं, गिरती हैं, नाविक तट पर पछताता है ।
तब यौवन बढ़ता है आगे, निर्झर बढ़ता ही जाता है।

-जीवन का झरना-
कवि–आरसी प्रसाद सिंह

(i) निर्झर के मार्ग में कौन-कौनसी बाधाएँ आती हैं ? वह उनका किस प्रकार सामना करता है ? [2]

(ii) नाविक कब पछताता है और क्यों ? [2]

(iii) झरने को किस बात की लगन है ? कवि ने निर्झर और नाविक में क्या अन्तर बताया है ? [3]

(iv) 'मानव जीवन की सार्थकता झरने के समान गतिशील बने रहने में और बाधाओं का डटकर मुकाबला करने में ही होती है। प्रस्तुत पंक्ति के आधार पर एक अनुच्छेद में अपने विचार दीजिए। [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

तजौ मन हरि विमुखन को संग।
जिनके संग कुबुधि उपजत है, परत भजन में भंग।
कहा होत पय-पान कराए, विष नहीं तजत भुजंग।
कागहिं कहा कपूर चुगाए, स्वान न्हवाए गंग।
खर को कहा अरगजा लेपन, मरकट भूषण-अंग।
गज को कहा सरित अन्हवाए, बहुरि धरै वह ढंग।
पाहन-पतित बान नहिं बेधत, रीतौ करत निषंग।
सूरदास कारी कामरि पै, चढ़त न दूजौ रंग।।

-सूर के पद-
कवि—सूरदास

(i) किस प्रकार के व्यक्तियों का साथ छोड़ देना चाहिए और क्यों ? [2]

(ii) 'पाहन-पतित बान नहिं बेधत, रीतौ करत निषंग' — पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए और बताइए कि ऐसा कवि ने क्यों कहा है ? [2]

(iii) कवि ने किन-किन उदाहरणों द्वारा, किस प्रकार यह स्पष्ट किया है कि प्रभु से विमुख लोगों का स्वभाव नहीं बदला जा सकता ? [3]

(iv) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए : [3]

अरगजा, रीतौ, निषंग, कामरि, खर, स्वान।

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देवें बना।
काम पड़ने पर करें जो शेर का भी सामना।।
जो कि हँस-हँस के चबा लेते हैं लोहे का चना।
'है कठिन कुछ भी नहीं' जिनके है जी में यह ठना।।
कोस कितने ही चलें, पर वे कभी थकते नहीं।
कौन-सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं।।

-कर्मवीर-

कवि—अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(i) 'चिलचिलाती धूप को चाँदनी बना देने' का क्या तात्पर्य है ? किस प्रकार के व्यक्ति यह कर सकने में समर्थ होते हैं ? [2]

(ii) 'लोहे के चने चबाना' और 'गाँठ खोलना' मुहावरों के अर्थ कविता के संदर्भ में बताइए। [2]

(iii) कविता के आधार पर बताइए कि कर्मवीरों की क्या विशेषताएँ होती हैं ? [3]

(iv) प्रस्तुत कविता किस सिद्धान्त पर आधारित है ? आपको इस कविता से क्या प्रेरणा मिली, समझाकर लिखिए। [3]